नंदिग्राम टाईम्स

RNI NO. MAHHIN/2016/69743 EDITOR : SHAIKH JAHUR AHEMAD

Monday 29th December 2025 | ● वर्ष - 9 | ● अंक 243 | ● पृष्ठ 04 | ● मूल्य - 2 रूपए | ● www.nandigramtimes.com

अमित शाह का बड़ा दावा: तमिलनाडु और बंगाल में कांग्रेस की हार तय

नई दिल्ली: केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आगामी तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इन दोनों राज्यों में चुनाव हारने वाली है और यह हार पहले से तय मानी जा रही है। इसका उल्लेख उन्होंने अहमदाबाद में एक जनसभा को संबोधित करते हुए किया। शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी तंज कसते हुए कहा कि अगर कोई पार्टी जनता की पसंद के खिलाफ नीतियों का विरोध करती है तो उसे वोट कैसे मिलेंगे, यह समझना कांग्रेस नेताओं के बस की बात नहीं है। उन्होंने राहुल गांधी से यह सवाल जनता से पूछने को कहा।

उद्धरण में अमित शाह ने बताया कि भाजपा और उसके नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) की नीतियों को जनता का समर्थन मिला है और यही कारण है कि कांग्रेस को लगातार हार का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी दावा किया कि 2029 के लोकसभा चुनावों में भी भाजपा की जीत सुनिश्चित है। शाह ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी ने कई प्रमुख मुद्दों जैसे राम मंदिर, अनुच्छेद 370 हटाने, सर्जिकल स्ट्राइक और समान नागरिक संहिता जैसे कदमों का विरोध किया था, जो जनता के समर्थन में रहे हैं। उनका कहना था कि जनता ने कांग्रेस और उसके विचारों को खारिज कर दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार यह बयान 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जिसमें विपक्ष पर दबाव बनाकर अपनी स्थिति मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है।

नई दिल्ली | एंटीबायोटिक दवाओं को लेकर पीएम मोदी ने दी चेतावनी,

एंटीबायोटिक दवाओं को लेकर पीएम मोदी ने दी चेतावनी, अंधाधुंध इस्तेमाल को लेकर लोगों से किया ये आग्रह

नई दिल्ली | प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को एंटीबायोटिक प्रतिरोध के मुद्दे को उठाते हुए लोगों से आग्रह किया कि वे डॉक्टर से परामर्श किए बिना ऐसी दवाएं न लें। मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी की है, जिसमें कहा गया है कि निमोनिया और यूटीआई जैसी कई बीमारियों के खिलाफ एंटीबायोटिक अप्रभावी साबित हो रही हैं। यह हम सभी के लिए बहुत चिंता का विषय है।

प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को एंटीबायोटिक दवाओं के अंधाधुंध इस्तेमाल के खिलाफ चेतावनी दी

पीएम मोदी ने कहा कि रिपोर्ट के अनुसार, इसका एक बड़ा कारण लोगों द्वारा बिना सोचे-समझे एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन है। उन्होंने कहा कि एंटीबायोटिक दवाएं ऐसी दवाएं नहीं हैं, जिन्हें बिना सोचे-समझे लिया जा सके। पीएम ने आगे कहा कि इन दवाओं का उपयोग केवल डॉक्टर की सलाह पर ही किया जाना चाहिए।

पीएम मोदी ने किया आग्रह

उन्होंने कहा, 'आजकल लोग ये मानने लगे हैं कि बस एक गोली ले लो, हर तकलीफ दूर हो जाएगी। यही वजह है कि बीमारियां और संक्रमण इन एंटीबायोटिक दवाओं पर भारी पड़ रहे हैं।' प्रधानमंत्री ने कहा, मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि कृपया अपनी मनमर्जी से दवाओं का इस्तेमाल करने से बचें। एंटीबायोटिक दवाओं के मामले में तो इस बात का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।'

गौरवपूर्ण रहा 2025: पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आगे कहा कि 2025 भारत के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धियों का वर्ष रहा है। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' का उल्लेख करते हुए कहा कि यह हर भारतीय के लिए गर्व का प्रतीक बन गया है और इसने दुनिया को दिखाया है कि देश अपनी सुरक्षा से समझौता नहीं करता है।

मोदी ने अपने मासिक 'मन की बात' संबोधन में कहा कि कुछ ही दिनों में साल 2026 दस्तक देने वाला है और इस गुजरते साल में देश का प्रभाव हर जगह दिखाई दिया। प्रधानमंत्री का इस बार का 'मन की बात' कार्यक्रम 2025 का आखिरी संबोधन था।

ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र उन्होंने कहा, ''2025 ने हमें ऐसे कई पल दिए जिन पर हर भारतीय को गर्व हुआ। देश की सुरक्षा से लेकर खेल के मैदान तक, विज्ञान की प्रयोगशालाओं से लेकर दुनिया के बड़े मंचों तक। भारत ने हर जगह अपनी मजबूत छाप छोड़ी। इस साल 'ऑपरेशन सिंदूर' हर भारतीय के लिए गर्व का प्रतीक बन गया। दुनिया ने साफ देखा आज का भारत अपनी सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करता। 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान देश के कोने-कोने से मां भारती के प्रति प्रेम और समर्पण की तस्वीरें सामने आई। लोगों ने अपने-अपने तरीके से अपने भाव व्यक्त किये।''

'मेरे बच्चे घर पर सुरक्षित नहीं हैं', सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से पहले उन्नाव रेप पीड़िता ने बयां किया दर्द

संवाददाता |

नई दिल्ली: उन्नाव रेप केस की पीड़िता ने सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई से पहले गंभीर चिंता जताई है कि "मेरे बच्चे घर पर सुरक्षित नहीं हैं।" यह चिंता दिल्ली हाई कोर्ट के उस आदेश के बाद उभरी है जिसमें पूर्व भाजपा विधायक कुलदीप सिंह सेनगर की उम्रकैद की सजा निलंबित कर दी गई थी।

पीड़िता ने कहा कि उन्हें और उनके परिवार को लगातार खतरे का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि सेनगर पर लगाए गए आरोप और उनके खिलाफ मुकदमों का गंभीर इतिहास रहा है। उसने सुप्रीम कोर्ट से न्याय दिलाने और सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। सुप्रीम कोर्ट में CBI की याचिका 29 दिसंबर 2025 को सुनवाई के लिए निर्धारित है, जिसमें हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई है। इस याचिका में सेनगर की सजा निलंबन के फैसले के खिलाफ पुनर्विचार का अनुरोध शामिल है।

पीड़िता ने भरोसा जताया कि शीर्ष अदालत उन्हें न्याय और सुरक्षा प्रदान करेगी और कहा कि उनकी लड़ाई हर महिला की आवाज़ है जो न्याय की उम्मीद रखती है।

कांग्रेस सिर्फ राजनीतिक दल नहीं, भारत की आत्मा की आवाज है, राहुल गांधी ने क्यों कही ये बात

कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस पर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पार्टी को 'भारत की आत्मा की आवाज' बताया। राहुल ने कहा कि पार्टी, कमजोर, वंचित और मेहनती लोगों के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आजादी दिलाने और लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने की पार्टी की विरासत को श्रद्धांजलि दी।

नई दिल्ली : कांग्रेस ने रविवार को अपना 140वें स्थापना दिवस मनाया। इस मौके पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि भारत की आत्मा की आवाज है, जो हर कमजोर, वंचित और मेहनतकश के साथ खड़ी रही है। राहुल गांधी पार्टी के मुख्यालय इंदिरा भवन में आयोजित 140वें स्थापना दिवस समारोह में हिस्सा लेने पहुंचे थे। इस मौके पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी समेत कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे।

संविधान की रक्षा की लड़ाई का संकल्प

गांधी ने पार्टी के स्थापना दिवस के मौके पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट लिखा। इसमें उन्होंने कहा कि संकल्प है कि नफरत, अन्याय और तानाशाही के खिलाफ सत्य, साहस और संविधान की रक्षा की लड़ाई और अधिक मजबूती से लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि आज भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस पर हर कांग्रेसजन को हार्दिक शुभकामनाएं।

हम उस ऐतिहासिक विरासत और उन महान बलिदानियों को नमन करते हैं, जिन्होंने भारत को आजादी दिलाई, संविधान की नींव रखी और लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय व समानता के मूल्यों को मजबूत किया।

पार्टी की ऐतिहासिक विरासत का जिक्र

रायबरेली के सांसद ने पार्टी सदस्यों को बधाई दी और कांग्रेस की विरासत को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि आज भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस पर हर कांग्रेसी को हार्दिक बधाई। हम उस ऐतिहासिक विरासत और उन महान बलिदानों को श्रद्धांजलि देते हैं जिन्होंने भारत को आजादी दिलाई, संविधान की नींव रखी और लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय और समानता के मूल्यों को मजबूत किया। उन्होंने आगे कहा कि हम नफरत, अन्याय और अत्याचार के खिलाफ सच्चाई, साहस और संविधान की रक्षा के लिए और भी मज़बूती से लड़ने का संकल्प लेते हैं।

मुंबई में हिजाब वाली बन सकती है मेयर, वारिस पठान के बयान पर अब मंत्री नितेश राणे का कड़ा पलटवार

मुंबई: ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) नेता वारिस पठान के हिजाब वाली महिला महापौर बन सकती है, वाले बयान पर मंत्री नितेश राणे ने तीखी प्रतिक्रिया दी। राणे ने कहा कि वारिस पठान शायद यह भूल गए हैं कि वे किस देश और किस राज्य में रहते हैं। उनका कहना है कि भारत एक हिंदू बहुल देश है और महाराष्ट्र में ऐसी सरकार है जो हिंदुत्व की विचारधारा को मानती है और जिसे हिंदू समाज के समर्थन से चुना गया है। ऐसे में इस तरह के बयान देकर समाज में भ्रम या तनाव पैदा करने की कोशिश नहीं की जानी चाहिए। नितेश राणे ने कहा कि अगर कोई नेता इस तरह के सपने देख रहा है, तो उसे पहले जमीनी हकीकत समझनी चाहिए।

कट्टर सोच नहीं पनपने देंगे

राणे ने कहा कि महाराष्ट्र, खासकर मुंबई, ऐसा शहर नहीं है, जहां समाज को बांटने वाली या उकसावे वाली राजनीति को आसानी से स्वीकार कर लिया जाए। राणे ने कहा कि अगर किसी को इस तरह की सोच रखनी है, तो उसे यह भी सोचना चाहिए कि क्या वह इस राज्य की सामाजिक और सांस्कृतिक भावना का सम्मान कर रहा है या नहीं। उन्होंने आगे कहा कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में जहां-जहां कट्टर सोच को राजनीति के जरिए आगे बढ़ाया गया, वहां सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचा है। राणे का कहना है कि ऐसी राजनीति से समाज में डर, अविश्वास और टकराव बढ़ता है और इसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ता है। इसी वजह से मुंबई में किसी भी तरह की कट्टर या विभाजनकारी मानसिकता को पनपने नहीं दिया जाएगा।

हिंदू समाज नहीं कमजोर

मंत्री ने यह भी कहा कि हिंदू समाज कमजोर नहीं है और अपने अधिकारों व सम्मान की रक्षा करना जानता है। उन्होंने दावा किया कि समाज लोकतांत्रिक तरीके से, लेकिन मजबूती के साथ, ऐसे बयानों का जवाब देगा। राणे ने कहा कि यह संदेश साफ होना चाहिए कि मुंबई और महाराष्ट्र में शांति, भाईचारा और कानून-व्यवस्था से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। मुंबई बीएमसी चुनावों में असुदद्दीन ओवैसी की अगुवाई वाली एआईएमआईएम भी चुनाव लड़ रही है। पिछली बार पार्टी ने दो सीटें जीती थीं। मुंबई में 15 जनवरी को वोट डाले जाएंगे। नतीजे 16 जनकारी को घोषित होंगे।

बीजेपी का कांग्रेस पर हमला: 'चापलूसों की सेना', 'लाचार' खरगे गांधी परिवार की सेवा में जुटे

नई दिल्ली — कांग्रेस के 140वें स्थापना दिवस के अवसर पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विपक्षी पार्टी पर तीखा राजनीतिक हमला बोला है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कांग्रेस को "चापलूसों की सेना" और भारतीय लोकतंत्र की "सबसे कमजोर कड़ी" बताते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस अब अपनी पारंपरिक विचारधारा और नेतृत्व की दिशा खो चुकी है। भाजपा ने कहा कि जिस पार्टी की "नींव हिल गई है और इमारत जर्जर हालत में है", वह स्थापना दिवस मना रही है — इसे "विडंबनापूर्ण" बताया गया है।

भाटिया ने विशेष रूप से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर निशाना साधा और उन्हें "रिमोट से नियंत्रित" तथा "लाचार" कहा, यह आरोप लगाते हुए कि वे असल में केवल गांधी परिवार — सोनिया गांधी और राहुल गांधी की सेवा कर रहे हैं, बजाय यह स्पष्ट करने के कि कांग्रेस देश के सामने वैचारिक मुद्दों पर क्या प्रस्ताव रखती है। भाजपा का यह भी कहना था कि खरगे को पार्टी की विरासत पर बोलते समय भारत के विभाजन, 1984 के सिख विरोधी दंगों और आपातकाल जैसे ऐतिहासिक विवादों को शामिल करना चाहिए था, पर उन्होंने ऐसा नहीं किया।

भाजपा के अनुसार, कांग्रेस के भीतर वरिष्ठ नेताओं दिग्विजय सिंह और शशि थरूर द्वारा उठाए गए आंतरिक लोकतंत्र के मुद्दों पर भी खरगे ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, जिससे पार्टी नेतृत्व के बारे में सवाल उठते हैं। भाजपा ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस अब केवल "गांधी परिवार का निजी स्वामित्व" बन कर रह गई है और देश की मुख्य राजनीति में कमजोर पड़ गई है। वहीं कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने स्थापना दिवस पर जोर देकर कहा कि कांग्रेस एक विचारधारा है और विचारधाराएं कभी नहीं मरतीं, साथ ही पार्टी की इतिहास में स्वतंत्रता संग्राम और लोकतंत्र की रक्षा में भूमिका पर भरोसा जताया है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, भाजपा के ऐसे बयान आगामी चुनावी माहौल में कांग्रेस को वैचारिक रूप से कमजोर दिखाने की रणनीति का हिस्सा हैं।

Ajit Pawar: 'परिवार फिर साथ आ रहा है, दोनों NCP मिलकर लड़ेंगे चुनाव, अजित पवार का बड़ा ऐलान

पुणे | महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने घोषणा की है कि उनकी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) और शरद पवार की एनसीपी एसपी आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में मिलकर चुनाव लड़ेंगी। यह घोषणा पिंपरी-चिंचवड में एक चुनावी कार्यक्रम के दौरान की गई। अजित पवार की पार्टी 'घड़ी' चिन्ह पर और शरद पवार की पार्टी 'तुतारी' (सीटी) चिन्ह पर चुनाव लड़ेगी। यह गठबंधन कई दिनों की बैठकों के बाद हुआ है। इसके बारे में पहले अटकलें थीं कि यह सफल नहीं होगा। पिंपरी-चिंचवड के अलावा पुणे शहर में भी इसी तरह के गठबंधन की प्रबल संभावना है। इसका अंतिम फैसला सोमवार तक होने की उम्मीद है।

अजित पवार ने क्या कहा?

अजित पवार ने पिंपरी-चिंचवड के तलवडे में एक चुनावी सभा में इस गठबंधन का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि चिंचवड में राष्ट्रवादी पार्टी यानी घड़ी और तुतारी मिलकर चुनाव लड़ रही हैं। यह परिवार फिर से एक हो रहा है।

कई लोगों के मन में यह इच्छा थी कि दोनों पार्टियां एक साथ आएं। महाराष्ट्र के सर्वांगीण विकास के लिए कुछ चीजें करनी पड़ती हैं। सीटों का बंटवारा आगे-पीछे करके किया गया है। आपको अगले दो दिनों में पता चल जाएगा। इस दौरान अजित पवार ने बीजेपी पर दल-बदल, भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था को लेकर भी निशाना साधा।

बीजेपी पर निशाना साधा

अजित पवार ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि मेरी 25 साल की राजनीतिक पारी में मैंने कभी भी तोड़-फोड़ की राजनीति नहीं की। जो भी पार्टी में आना चाहता था, वह अपनी मर्जी से आता था। लेकिन आजकल धमकाने, दबाव बनाने और डराने-धमकाने का काम चल रहा है। यह क्या हो रहा है? उन्होंने यह सवाल पूछते हुए बीजेपी पर तीखे हमले किए।

पिंपरी-चिंचवड महानगरपालिका में फैला भ्रष्टाचार

उन्होंने पिंपरी-चिंचवड महानगरपालिका में फैले भ्रष्टाचार पर भी चिंता जताई। अजित पवार ने कहा कि पिंपरी-चिंचवड महानगरपालिका में भारी भ्रष्टाचार फैला हुआ है। जो महानगरपालिका कभी एशिया की सबसे अमीर महानगरपालिका कहलाती थी, वह आज कर्ज में डूबी हुई है। यह बहुत दुख की बात है।

महानगरपालिका चुनावों में देरी पर भी नाराजगी जताई

अजित पवार ने आगे कहा कि 1992 से 2017 तक महानगरपालिका चलाते समय कभी भी कर्ज लेने की जरूरत नहीं पड़ी। उस दौरान मैंने जिन महापौरों, स्थायी समिति अध्यक्षों और पार्षदों को चुना था, उन्हें जनता ने चुना था। उस समय मुझ पर पांच पैसे के भ्रष्टाचार का भी आरोप नहीं लगा। उन्होंने महानगरपालिका चुनावों में देरी पर भी नाराजगी जताई। अजित पवार ने कहा कि 2017 के बाद 2022 में चुनाव होने चाहिए थे। कोरोना और अन्य कारणों से चुनाव टलते रहे।

अजित पवार ने पिंपरी-चिंचवड की कानून-व्यवस्था पर चिंता जताते हुए कहा कि पुलिस का खौफ खत्म हो गया है और लोगों को धमकाया जा रहा है। उन्होंने मतदाताओं से किसी दबाव में न आने और सोच-समझकर मतदान करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी ने कभी जातिवाद नहीं किया, सबका खून लाल है। 2029 में 288 विधायकों में 96 महिला विधायक होंगी और हाल के चुनावों में सबसे ज्यादा नगराध्यक्ष राष्ट्रवादी कांग्रेस के चुने गए हैं।

महानगरपालिका चुनाव: 15 जनवरी और महाराष्ट्र के शहरों की कसौटी

संपादकीय... |

जनवरी 2026 के मध्य में होने वाले महानगरपालिका चुनावों से पहले महाराष्ट्र एक बार फिर अपने शहरी भविष्य को लेकर निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। 15 जनवरी 2026 को होने वाली यह वोटिंग केवल नगर निगमों के गठन का सवाल नहीं है, बल्कि यह तय करेगी कि राज्य के बड़े शहर नागरिक हितों से संचालित होंगे या सत्ता की राजनीति से। विधानसभा और लोकसभा चुनावों के शोर में अक्सर दब जाने वाले महानगरपालिका चुनाव दरअसल आम नागरिक के जीवन को सबसे सीधे प्रभावित करते हैं।

दिसंबर 2025 में नगरपालिकाओं और नगर परिषदों के चुनाव पूरे हो चुके हैं। अब राज्य की निगाहें मुंबई, पुणे, नागपुर, नाशिक और छत्रपति संभाजीनगर जैसी महानगरपालिकाओं पर टिकी हैं। ये शहर केवल जनसंख्या या भूगोल के कारण महत्वपूर्ण नहीं हैं, बल्कि इसलिए भी कि यहीं से राज्य की अर्थव्यवस्था, रोजगार और शहरी नीति की दिशा तय होती है। इन नगर निगमों पर नियंत्रण का अर्थ है हजारों करोड़ के बजट और लाखों नागरिकों की दैनिक जरूरतों पर निर्णय का अधिकार।

चिंता की बात यह है कि महानगरपालिका चुनाव भी लगातार स्थानीय मुद्दों से भटकते हुए सत्ता संघर्ष का रूप लेते जा रहे हैं। पानी की अनियमित आपूर्ति, कचरा प्रबंधन की बदहाली, जाम होती सड़कें, बढ़ता प्रदूषण, झोपड़पट्टियों की उपेक्षा और अवैध निर्माण—ये सभी समस्याएँ हर शहर में मौजूद हैं। इसके बावजूद चुनावी विमर्श में इनकी जगह राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप और दलों की आपसी लड़ाई ले लेती है। परिणामस्वरूप नागरिक मुद्दे पीछे और सत्ता समीकरण आगे हो जाते हैं।

महानगरपालिकाओं की सबसे बड़ी विफलता यह रही है कि वे राजनीतिक नियंत्रण में तो रहीं, लेकिन वास्तविक अर्थों में स्वायत्त शहरी संस्थाएँ नहीं बन पाईं। लंबे समय तक चुनाव न होने, प्रशासकों के भरोसे शहर चलने और निर्णयों के केंद्रीकरण ने शहरी लोकतंत्र को कमजोर किया है। जब चुने हुए प्रतिनिधि नहीं होते, तो जवाबदेही भी कमजोर पड़ जाती है। यही कारण है कि आम नागरिक को नगर निगम अपने नहीं, बल्कि दूर बैठे सत्ता केंद्रों का विस्तार प्रतीत होते हैं।

भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अक्षमता भी इस चुनाव का अहम संदर्भ है। ठेकेदारी व्यवस्था, अतिक्रमण, अवैध निर्माण और कचरा निपटान जैसे मुद्दे केवल तकनीकी नहीं हैं, बल्कि अक्सर राजनीतिक संरक्षण से जुड़े रहे हैं। जब तक नगर निगमों में पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन और स्वतंत्र निर्णय प्रक्रिया स्थापित नहीं होती, तब तक शहरी विकास योजनाओं की सफलता संदिग्ध बनी रहेगी।

स्मार्ट सिटी, डिजिटल गवर्नेंस और तकनीकी नवाचार के दावे जरूर किए गए हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या आम नागरिक ने इनका वास्तविक लाभ महसूस किया है? तकनीक तभी सार्थक है जब वह झोपड़पट्टी में रहने वाले नागरिक से लेकर कर देने वाले मध्यमवर्ग तक, सभी के जीवन को बेहतर बनाए। महानगरपालिका चुनावों में मतदाताओं को इन्हीं कसौटियों पर उम्मीदवारों और दलों को परखना होगा।

इन चुनावों में मतदाता की भूमिका सबसे निर्णायक है। दुर्भाग्य से महानगरपालिका चुनावों में मतदान प्रतिशत हमेशा अपेक्षाकृत कम रहा है। नागरिक अक्सर यह मान लेते हैं कि इन चुनावों से बहुत फर्क नहीं पड़ता, जबकि सच्चाई इसके ठीक उलट है। पानी, सफाई, सड़क, सार्वजनिक परिवहन, अस्पताल और प्राथमिक शिक्षा—इन सभी का सीधा संबंध नगर निगमों से है। यदि मतदाता सजग नहीं हुआ, तो अयोग्य नेतृत्व चुना जाएगा और फिर शिकायत की गुंजाइश भी सीमित रह जाएगी।

राजनीतिक दलों के लिए भी यह चुनाव आत्ममंथन का अवसर है। क्या वे शहरों के लिए स्पष्ट और व्यावहारिक दृष्टि लेकर मैदान में उतर रहे हैं या केवल सत्ता विस्तार के उद्देश्य से? क्या उम्मीदवारों का चयन योग्यता, ईमानदारी और प्रशासनिक समझ के आधार पर हो रहा है, या फिर केवल राजनीतिक समीकरणों के आधार पर? यदि महानगरपालिका चुनाव भी पुरानी राजनीति का दोहराव साबित हुए, तो शहरी संकट और गहराएगा।

संपादकीय दृष्टि से, 15 जनवरी 2026 को होने वाले महानगरपालिका चुनाव महाराष्ट्र के शहरी भविष्य की वास्तविक कसौटी हैं। यह तय होगा कि शहर नागरिकों के लिए हैं या सत्ता के लिए। यदि मतदाता ने सही सवाल पूछे, स्थानीय मुद्दों को प्राथमिकता दी और विकल्पों को गंभीरता से परखा, तभी महानगरपालिकाएँ सच्चे अर्थों में स्वशासन की संस्थाएँ बन सकेंगी। अन्यथा यह अवसर भी इतिहास में एक और चूका हुआ मौका बनकर दर्ज हो जाएगा।

बांग्लादेश | बांग्लादेश में हिंदुओं का उत्पीड़न नहीं;

बांग्लादेश में हिंदुओं का उत्पीड़न नहीं, यूनुस सरकार ने खारिज की भारत की चिंता, बताया- गुमराह करने वाला

ढाका | बांग्लादेश ने रविवार को अपने देश में अल्पसंख्यकों के खिलाफ जारी हिंसा पर भारत की चिंता को खारिज कर दिया है। उसने भारत के बयानों को "गलत, बढ़ा चढ़ाकर पेश किया गया और गुमराह करने वाला" बताया। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने आरोप लगाया कि भारत का बयान सही तथ्यों को नहीं दर्शाती हैं। मंत्रालय ने यह भी कहा कि ऐसे बयान बांग्लादेश की सांप्रदायिक सद्भाव की लंबे समय से चली आ रही परंपरा को गलत तरीके से पेश करती हैं। बांग्लादेश ने हिंदुओं के खिलाफ हिंसा को आपराधिक घटनाएं बताया और कहा कि भारत इसे व्यवस्थित उत्पीड़न के तौर पर प्रस्तुत कर रहा है।

बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय ने क्या कहा

प्रेस को जारी बयान में बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय ने लिखा, "हम देखते हैं कि आपराधिक कृत्यों की अलग-थलग घटनाओं को हिंदुओं के व्यवस्थित उत्पीड़न के रूप में पेश करने के व्यवस्थित प्रयास किए जा रहे हैं और दुर्भावनापूर्ण तरीके से भारत के विभिन्न हिस्सों में बांग्लादेश विरोधी भावनाएं फैलाने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। हम कुछ हलकों में एक चयनात्मक और अनुचित पूर्वाग्रह देखते हैं, जहां अलग-थलग घटनाओं को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है, गलत तरीके से पेश किया जाता है और आम भारतीयों को बांग्लादेश, उसके राजनयिक मिशनों और भारत में अन्य प्रतिष्ठानों के खिलाफ भड़काने के लिए प्रचारित किया जाता है।"

बांग्लादेश ने अमृत मंडल की हत्या का किया जिक्र

अमृत मंडल उर्फ सम्राट की पीट-पीटकर हत्या की घटना का जिक्र करते हुए बांग्लादेशी विदेश मंत्रालय ने कहा, "इसे अल्पसंख्यक उत्पीड़न के उदाहरण के रूप में पेश करना "गुमराह करने वाला" था।"

विदेश मंत्रालय ने यह भी कहा कि "भारत ने जिन व्यक्तियों का नाम लिया, उनमें से एक सूचीबद्ध अपराधी था, जिसकी दुर्भाग्यपूर्ण मौत तब हुई, जब वह अपने मुस्लिम साथी के साथ जबरन वसूली कर रहा था। उसके साथी को बाद में गिरफ्तार कर लिया गया। इस आपराधिक कृत्य को अल्पसंख्यक व्यवहार के चश्मे से देखना तथ्यात्मक नहीं बल्कि गुमराह करने वाला है।"

भारतीय विदेश मंत्रालय ने क्या कहा था

भारतीय विदेश मंत्रालय (MEA) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ व्यवस्थित हमले की निंदा की थी। उन्होंने दीपू चंद्र दास की हत्या की निंदा करते हुए उम्मीद जताई थी कि इस अपराध के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाएगा। दीपू को ईशनिंदा के झूठे आरोपों पर पीट-पीटकर मार डाला गया और आग लगा दी गई थी। MEA के अनुसार, बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के कार्यकाल के दौरान अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की लगभग 2,900 घटनाएं रिपोर्ट की गई हैं। जायसवाल ने कहा, "हमने पहले भी बयान जारी करके बांग्लादेश द्वारा फैलाए गए झूठे नैरेटिव को खारिज किया है।"

WORLD NEWS | 36 घंटे में 80 ड्रोन अटैक...

36 घंटे में 80 ड्रोन अटैक... पाकिस्तान ने कबूला सच, माना- भारत के हमले में नूर खान एयरबेस हुआ बर्बाद

36 घंटे में 80 ड्रोन अटैक...

● NEWS AGENCY

इस्लामाबाद: पाकिस्तान ने इस साल मई में ऑपरेशन सिंदूर में हुए नुकसान को सार्वजनिक तौर पर कबूल किया है। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने पुष्टि की है कि भारतीय ड्रोन ने रावलपिंडी के चकलाल इलाके में नूर खान एयर बेस पर हमला किया था। उन्होंने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि भारत के हमले से पाकिस्तानी एयरबेस और सैन्य प्रतिष्ठानों को नुकसान हुआ और वहां तैनात सुरक्षाकर्मी घायल हुए। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद मई के शुरुआती हफ्ते में पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर हमला किया था, लेकिन बाद में पाकिस्तानी सेना ने जवाबी कार्रवाई करने की हिमाकत की, जिसके बाद भारत ने कहर बरपा दिया था।

इशाक डार ने ऑपरेशन सिंदूर पर क्या कहा

इशाक डार ने यह भी कहा कि भारत ने कम समय में पाकिस्तानी क्षेत्र में बड़ी संख्या में ड्रोन भेजे थे। उन्होंने कहा कि 36 घंटे के भीतर कम से कम 80 ड्रोन सीमा पार कर गए। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तानी सेना ने उनमें से 79 को रोक लिया, लेकिन एक ड्रोन सैन्य ठिकाने पर हमला करने में कामयाब रहा, जिससे लोग घायल हुए। डार ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व में पाकिस्तान के नागरिक और सैन्य नेतृत्व ने 9 मई की रात को स्थिति पर चर्चा करने और कुछ फैसलों को मंजूरी देने के लिए एक बैठक की। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने 10 मई की सुबह नूर खान एयर बेस पर हमला करके "गलती की।"

नूर खान एयरबेस पर हमला अहम क्यों

नूर खान एयरबेस रावलपिंडी में स्थित पाकिस्तान का सबसे अहम सैन्य अड्डा है। यह ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय हवाई हमलों का शिकार हुआ था। ऐसी रिपोर्ट है कि पाकिस्तानी सेना की स्ट्रैटजिक कमांड इसी नूरखान एयरबेस पर मौजूद है और उसकी कुछ परमाणु मिसाइलों समेत कई प्रमुख हथियारों को यहां तैनात किया गया है। पाकिस्तानी सेना प्रमुख, वायुसेना प्रमुख और नागरिक सरकार के वरिष्ठ नेता इसी एयरबेस का इस्तेमाल करते हैं। यहां तक कि पाकिस्तान आने वाले वीवीआईपी गेस्ट भी नूर खान एयरबेस पर ही लैंड करते हैं। भारत ने पाकिस्तान के 11 एयरबेसों पर किया था हमला

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर में नूर खान सहित पाकिस्तान के कुल 11 एयरबेसों पर हमले किए थे। इनमें सरगोधा, रफीकी, जैकोबाबाद और मुरीदके में एयरबेस शामिल थे। भारत के इन हवाई हमलों में पाकिस्तान के कई लड़ाकू विमान नष्ट हुए थे। इनके अलावा पाकिस्तानी रडार साइट, विमानों को रखने वाले हैंगर और रनवे भी नष्ट हुए थे। पाकिस्तानी एयरबेसों पर हमले और उनको पहुंचे नुकसान की तस्वीरें पूरी दुनिया ने देखी थी।

Top News नेतन्याहू की मीडिया से जंग क्यों?

गाजा में इजरायल ने 300 पत्रकारों और उनके 700 से ज्यादा परिजनों की हत्या की, नेतन्याहू की मीडिया से जंग क्यों?

गाजा/तेल अवीव: अक्टूबर 2023 में हमास के हमले के बाद इजरायल ने गाजा में जो अभियान चलाया, उसमें 70 हजार से ज्यादा लोग मारे गये हैं। लेकिन उससे भी ज्यादा हैरान करने वाला आंकड़ां पत्रकारों की हत्या को लेकर है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि गाजा में युद्ध शुरू होने के बाद से इजरायली हमलों में 300 पत्रकार और उनके 700 से ज्यादा परिजन मारे गये हैं। यानि कहा जा सकता है कि इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सिर्फ हमास के खिलाफ नहीं, पत्रकारों के खिलाफ भी जंग छेड़ रखी थी। फिलिस्तीनी जर्नलिस्ट सिंडिकेट ने दावा किया है कि अक्टूबर 2023 में गाजा युद्ध की शुरुआत के बाद से इजरायल ने फिलिस्तीनी पत्रकारों के कम से कम 706 परिवार के सदस्यों को मार डाला है।

सिंडिकेट की फ्रीडम कमेटी ने शनिवार देर रात इस रिपोर्ट को जारी किया है। इसमें कहा गया है कि इजरायली सेना जानबूझकर पत्रकारों के परिवारों को निशाना बना रही है। ताकि फिलीस्तीन को लेकर रिपोर्टिंग ना हो सके। इसका मकसद पत्रकारों की रिपोर्टिंग रोकना, उन्हें चुप करना, डराना और सच्चाई को बाहर आने से रोकना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ये हमले युद्ध के कारण होने वाली मौतों के बजाय एक सोची-समझी रणनीति का हिस्सा हैं।

इजरायल ने जान बूझकर पत्रकारों को निशाना बनाया?

यूनियन ने कहा कि पत्रकारों के खिलाफ इजरायली हिंसा "और ज्यादा खतरनाक और क्रूर रूप ले चुकी है, जिसमें पत्रकारों के परिवारों और रिश्तेदारों को निशाना बनाया जा रहा है। यह पत्रकारिता के काम को एक ऐसा अस्तित्व का बोझ बनाने की साफ कोशिश है, जिसकी कीमत बेटे, पत्नियां, पिता और माताएं चुकाते हैं।" कमेटी के प्रमुख मुहम्मद अल-लह्हाम ने कहा कि 2023 से 2025 के बीच सामने आए मामलों से यह साफ होता है, कि इजरायल का मकसद गाजा में सच्चाई की आवाज को कुचलना है। उन्होंने कहा, "यह एक ऐसी जंग है जिसमें कैमरे और बच्चे के बीच, कलम और घर के बीच कोई फर्क नहीं किया जा रहा।" रिपोर्ट के मुताबिक, पत्रकारों के बेटे-बेटियां, पत्नियां, माता-पिता और बुज़ुर्ग रिश्तेदारों को मारा गया है।

रिपोर्ट में दावा किया गया है कि साल 2023 में 436, 2024 में 203 और 2025 में अब तक कम से कम 67 पत्रकारों के परिजनों की मौत हुई है। यह सिलसिला उसके बाद भी जारी रहा, जब कई पत्रकारों के परिवार पहले ही अपने घरों से विस्थापित होकर टेंटों और अस्थायी शिविरों में शरण ले चुके थे। सिंडिकेट ने खान यूनिस के पास के एक मामले का उदाहरण दिया, जहां पत्रकार हिबा अल-अबादला, उनकी मां और अल-अस्ताल परिवार के करीब 15 सदस्यों के शव लगभग दो साल बाद मलबे से निकाले गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ऐसे कई मामलों में पूरे-के-पूरे परिवार खत्म कर दिए गये,, जबकि पत्रकार जीवित बच गए, ताकि वे अपने ही परिवार की तबाही के गवाह बनें।

पत्रकारों के खिलाफ इजरायल ने क्यों शुरू की जंग?

जांच रिपोर्ट के नतीजों में कहा गया है कि इजरायली हमलों ने बार-बार पत्रकारों के घरों, विस्थापन स्थलों और उन इलाकों को निशाना बनाया है जहां मीडियाकर्मी और उनके रिश्तेदार रहते हैं। कुछ मामलों में पूरे के पूरे परिवार खत्म हो गए हैं। इसमें कहा गया है कि पत्रकारों को व्यक्तिगत निशाना बनाने के लिए उनके परिवार को खत्म किया गया है। इन मौतों की संख्या के अलावा, सिंडिकेट ने गंभीर मानसिक नुकसान की भी चेतावनी दी है। जिन पत्रकारों ने अपने बच्चों, पति या पत्नी, या माता-पिता को खोने के बाद भी जान बचाई है, वे अब ट्रॉमा में हैं, भारी अपराधबोध का सामना कर रहे हैं। उन्हें लग रहा है कि उनके काम की वजह से उनके परिवारवाले मारे गये हैं। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि करीब 300 पत्रकारों की हत्या की गई है। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स की एक रिपोर्ट में भी कहा गया कि 2025 में इजरायल ने किसी भी अन्य देश की तुलना में सबसे ज्यादा पत्रकारों की जान ली है।

महाराष्ट्र विशेष

कोकण > पश्चिम महाराष्ट्र > मराठवाड़ा > विदर्भ

नंदिग्राम टाईम्स

Monday 29th December 2025 वर्ष - 9 , अंक 243 , पृष्ठ 03

नर्सिंग प्रवेश प्रक्रिया: आयुष छात्रों को बड़ी राहत, अंतिम तिथि बढ़ी

अकोला (लोकसत्ता): महाराष्ट्र में आयुर्वेद, युनानी व होमिओपैथी (AYUSH) में पढ़ाई कर रहे कई छात्रों को नर्सिंग कोर्स प्रवेश में तकलीफ का सामना करना पड़ रहा था क्योंकि एएनएम, जीएनएम और बीएससी-नर्सिंग जैसे कोर्सों की प्रवेश प्रक्रिया की समयसीमा पहले ही समाप्त हो चुकी थी। इससे वे नर्सिंग में दाखिला लेने से वंचित होने वाले थे।

स्थिति को देखते हुए 'प्रायव्हेट नर्सिंग स्कूल अँड कॉलेज मॅनेजमेंट असोशिएशन' ने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की और साथ ही राजनीतिक स्तर पर भी आगे बढ़कर समयसीमा बढ़ाने की मांग की।

केंद्र और इंडियन नर्सिंग कौन्सिल के हस्तक्षेप से अब प्रवेश प्रक्रिया की अंतिम तिथि 31 दिसंबर 2025 तक बढ़ा दी गई है, जिससे उन हजारों विद्यार्थियों को नर्सिंग पाठ्यक्रमों में प्रवेश का अवसर मिल गया है। यह राहत उन छात्रों के लिए महत्वपूर्ण है जो AYUSH कोर्स में प्रवेश न मिलने पर नर्सिंग क्षेत्र में करियर बनाना चाहते थे।

BMC Election | ठाकरे ब्रदर्स के साथ आने से मुंबई में BJP की जरूरत बने एकनाथ शिंदे

BMC Election: ठाकरे ब्रदर्स के साथ आने से मुंबई में BJP की जरूरत बने एकनाथ शिंदे, 20 सीटों पर फैसला बाकी

मुंबई | मुंबई: महाराष्ट्र के महानगरपालिका चुनावों में ठाकरे ब्रदर्स के एक होने के बाद राजनीतिक समीकरण बदल गए हैं। एक महीने पहले तक महायुति में असहज महसूस कर रहे एकनाथ शिंदे अब बीजेपी के लिए जरूरत बन गए हैं। यही वजह है कि मुंबई में बीजेपी अब शिंदे को नाराज करने के मूड में नहीं है। नौ साल के अंतराल पर हो चुनावों में बीजेपी शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना को 90 सीटें तक दे सकती है। मुंबई बीजेपी के अध्यक्ष अमीत साटम के अनुसार मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और एकनाथ शिंदे के बीच हुई बैठक में कुल 207 सीटों पर सहमति बन गई है। 20 सीटों पर फैसला रह गया है। 207 सीटों में बीजेपी के खाते में 128 और शिवसेना को 79 सीटें मिली हैं, जब अजित पवार की अगुवाई वाली एनसीपी अलग से चुनाव लड़ेगी।

ऐसे में लोकसभा और विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ने के बाद महायुति अलायंस मुंबई में टूट गया है। ऐसी ही स्थिति महाविकास आघाड़ी की हुई है। ठाकरे ब्रदर्स के साथ आने पर कांग्रेस ने खुद को अलग कर लिया है।

बीजेपी अब दिख रही है नरम

मुंबई बीएमसी चुनाव में नामांकन के लिए अब महज दो दिन और शेष बचे हैं। बीजेपी और उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना के बीच चल रही मैराथन बैठकों के बाद भी करीब 20 सीटों पर अभी भी सहमति नहीं बन पाई है। बीजेपी ने मुंबई में पहली बार अपना महापौर बनाने के लिए बीजेपी में 150 से ज्यादा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने की तैयारी प्रारंभ से चल रही थी, लेकिन ठाकरे ब्रदर्स के साथ आने से एकनाथ शिंदे की अहमियत बढ़ गई। अब उनकी पार्टी की सीटों की संख्या 90 तक पहुंचती दिख रही है।

बीजेपी शिंदे की जिद के आगे झुकती दिख रही है। मुंबई में महापौर बनाने का सपना बीजेपी का शीर्ष नेतृत्व वर्षों से देखता रहा है। सूत्रों की मानें तो 227 सीटों वाली मुंबई बीएमसी में 150+ सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारने और कम से कम 130 उम्मीदवारों को जिताकर अपने दम पर पार्टी का महापौर बनाने की रणनीति बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व की ओर से बनाई गई थी। शिंदे का दावा है कि बीएमसी के लगभग 80 पूर्व नगरसेवक उनके साथ हैं।

मुंबई चुनाव में महायुति का नया फार्मूला सामने आया है। शिंदे गुट की मांग पर अजित पवार की एनसीपी बाहर हो गई। बीजेपी-शिवसेना में 207 सीटों पर सहमति बनी है। ठाकरे भाइयों का संभावित गठबंधन बीजेपी की बड़ी चिंता बना हुआ है।

बारामती में AI सेंटर का उद्घाटन: गौतम अडानी ने शरद पवार को बताया 'मेरे मार्गदर्शक'

बारामती (पुणे): उद्योगपति गौतम अडानी ने रविवार को महाराष्ट्र के बारामती में "शरदचंद्र पवार सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस" का उद्घाटन किया, जहां उन्होंने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) चीफ शरद पवार की जोरदार प्रशंसा की और उन्हें अपना "मार्गदर्शक (मेंटर)" बताया। यह कार्यक्रम राजनीतिक और सार्वजनिक दोनों ही दृष्टिकोण से ध्यान देने योग्य रहा।

उद्घाटन समारोह में शरद पवार, संसद सदस्य सुप्रिया सुले, महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और पवार परिवार के अन्य सदस्यों ने भी भाग लिया। यह सेंटर विद्या प्रतिष्ठान के अंतर्गत स्थापित किया गया है, जिसे पवार परिवार द्वारा संचालित शैक्षणिक संस्थान कहा गया है। अपने संबोधन में गौतम अडानी ने कहा कि वह शरद पवार को तीन दशकों से जानते हैं और उनसे जो कुछ भी सीखा है, उसकी कोई तुलना नहीं है। उन्होंने पवार की राजनीति, दूरदर्शिता और नेतृत्व क्षमता की प्रशंसा करते हुए उन्हें अपना मेंटर बताया। अडानी ने बारामती को "एक ऐसा स्थान" कहा जो विकास, परिवर्तन और अवसरों का प्रतीक बन चुका है, और इसे पवार की दूरदर्शिता से जोड़ा।

अदानी ने यह भी कहा कि भारत को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के क्षेत्र में केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि नेता और निर्माता बनना चाहिए, और इस दिशा में यह केंद्र युवाओं तथा शोधकर्ताओं को मार्गदर्शन देगा। उन्होंने तकनीक और प्रतिभा के साथ राष्ट्रीय सोच को आगे बढ़ाने पर जोर दिया।

गिरोह ने बुजुर्ग से 1.25 करोड़ की धोखाधड़ी, 'डिजिटल अरेस्ट' का भय दिखाकर फंसा दिया

संवाददाता |

सांगली मिरज में साइबर ठगों ने 'डिजिटल अरेस्ट' का भय दिखाकर एक वरिष्ठ नागरिक से 1 करोड़ 25 लाख 50 हजार रुपये ठग लिए। पीड़ित सेवानिवृत्त कर्मचारी रविंद्र कुलकर्णी को व्हाट्सएप पर अज्ञात कॉलर ने फोन कर बताया कि उनके नाम पर विजय मल्ल्या गिरोह की 250 नकली बैंक पासबुक मिली हैं और मुंबई के कुलाबा पुलिस स्टेशन व CBI, RBI द्वारा उनके बैंक खातों की जांच जारी है।

ठगों ने कहा कि यदि कुलकर्णी 95% राशि जमा नहीं करेंगे, तो उन्हें तुरंत डिजिटल गिरफ्तार किया जाएगा तथा उनके खाते फ्रीज कर दिए जाएंगे। डर दिखाकर उन्हें RTGS के माध्यम से तीन बैंकों — स्टेट बैंक, बैंक ऑफ इंडिया और HDFC — के खातों में पैसा ट्रांसफर करने के लिए मजबूर किया गया।

इस धोखाधड़ी के संदर्भ में मिरज शहर पुलिस स्टेशन में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ आर्थिक फसवणुकी का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस जांच में यह पाया जा रहा है कि ठगों ने डिजिटल अरेस्ट जैसे झूठे कानूनी दावों का इस्तेमाल कर बुजुर्ग को डराकर बड़ी रकम हड़पी।

मुंबई: डीएमईआर का रेडियोलॉजी विभाग PPP मॉडल पर विवादित फैसला

मुंबई: वैद्यकीय शिक्षण व संशोधन संचालनालय (DMER) ने राज्य के 11 सरकारी अस्पतालों में रेडियोलॉजी विभागों को सार्वजनिक-खासगी भागीदारी (PPP) मॉडल पर संचालित करने का निर्णय लिया है, जो अब राजनीतिक और चिकित्सा समुदाय में विवाद का कारण बन गया है। इस फैसले के तहत स्पंदन डायग्नोस्टिक सेंटर प्राइवेट लिमिटेड को MRI, CT-स्कैन और अन्य रेडियोलॉजी सुविधाओं का विकास, संचालन तथा देखभाल करने की जिम्मेदारी दी गई है।

परिवर्तन का विरोध वरिष्ठ शिक्षकों, निवृत्त डॉक्टरों और चिकित्सा संघों ने किया है। उनका कहना है कि रेडियोलॉजी जैसे महत्वपूर्ण विभाग को निजी कंपनी को देने से सरकारी चिकित्सा कॉलेजों के छात्रों को प्रशिक्षण में बाधा आ सकती है और गरीब मरीजों की सेवा प्रभावित हो सकती है। विरोधी पूछ रहे हैं कि राज्य पहले से ही इन अस्पतालों में रेडियोलॉजी सुविधाएँ उपलब्ध कराने के बावजूद क्यों निजीकरण की जरूरत महसूस कर रहा है।

इसके अलावा, आलोचकों ने कहा है कि PPP मॉडल में निजी कंपनी को रुग्णों से सीधा शुल्क वसूलने का अधिकार मिलने से सेवा महंगी हो सकती है और सरकारी अस्पताल की मूल भूमिका पर सवाल उठता है। इस फैसले के खिलाफ चिकित्सा समुदाय जल्द ही अपना निर्णय और रणनीति तय कर सकता है।

बीएमसी चुनाव 2026: अजित पवार की NCP ने पहली उम्मीदवार सूची जारी की

मुंबई: आगामी बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव 2026 से पहले **डिप्टी चीफ मिनिस्टर और एनसीपी नेता अजित पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) ने अपनी पहली उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। इस घोषणा से मुंबई के चुनावी रण में नई राजनीतिक हलचल शुरू हो गई है।

पार्टी की विधायक सना मलिक ने 28 दिसंबर 2025 को मीडिया के सामने यह सूची पेश की जिसमें कुल 37 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। बीएमसी में कुल 227 वार्ड हैं और इस प्रारंभिक सूची में NCP ने कई मौजूदा कॉरपोरेटर्स को प्राथमिकता देते हुए युवा और पहली बार चुनाव लड़ने वालों को भी मौका दिया है।

सूची की घोषणा करते हुए सना मलिक ने कहा कि पार्टी ने अपने मौजूदा कार्यकर्ताओं और प्रतिनिधियों को तरजीह दी है और इससे नए चेहरों को भी आगे आने का अवसर मिलेगा। खास बात यह रही कि कई युवा तथा युवा महिलाएं पहली बार चुनाव मैदान में उतर रही हैं, जो पार्टी की नीतियों में बदलाव और युवा सशक्तिकरण को दर्शाता है।

इस चुनाव में NCP महायुति (शिवसेना-भाजपा गठबंधन) से अलग अकेले चुनाव लड़ रही है, जिससे साफ संकेत मिलता है कि पार्टी अपने दम पर मुंबई नगर निगम में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है। पहले यह भी रिपोर्ट है कि NCP लगभग 100 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी और बाकी की सूचियाँ बाद में जारी होंगी।

सूची में शामिल नामों में विभिन्न वार्डों से उम्मीदवारों का प्रतिनिधित्व है, जैसे कि:

वार्ड 3: मनीष दुबे,वार्ड 48: सिरिल पीटर डिसूजा,वार्ड 62: अहमद खान,वार्ड 96: आयशा शम्स खान,वार्ड 148: सोमू चंदू पवार,वार्ड 165: अब्दुल रशीद (कप्तान) मलिक,वार्ड 168: डॉ. सईदा खान,वार्ड 170: बुशरा परवीन मलिक,वार्ड 197: फरीन इम्तियाज खान आदि शामिल हैं।

बीएमसी चुनावों के अंतर्गत नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 30 दिसंबर 2025 है, जबकि मतदान 15 जनवरी 2026 को होना निर्धारित है और मतगणना उसके अगले दिन होगी। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, इस प्रारंभिक उम्मीदवार सूची से एनसीपी की चुनावी रणनीति और स्थानीय समीकरणों पर ध्यान देने का प्रयास स्पष्ट दिखता है। पार्टी ने सामाजिक, क्षेत्रीय और धार्मिक विविधता का ख्याल रखते हुए उम्मीदवारों के चयन पर जोर दिया है, ताकि मुंबई के मतदाताओं के बीच व्यापक समर्थन हासिल किया जा सके।

RSS धार्मिक तनाव पैदा करने में सबसे आगे, संजय राउत ने दिग्विजय सिंह के बयान को लेकर संघ पर बोला हमला

मुंबई/ठाणे: कांग्रेस पार्टी आज अपने 140वें स्थापना दिवस को मना रही है लेकिन दिग्विजय सिंह के बयान पर बवाल मचा हुआ। कांग्रेस के नेता शशि थरूर ने जहां दिग्विजय सिंह के बयान का समर्थन किया है तो वहीं दूसरी उद्धव ठाकरे के गुट के नेता संजय राउत ने कहा है कि मैं उनसे पूछूंगा कि आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) को लेकर उनके दृषिकोण में बदलाव कैसे आया? राउत ने शनिवार को कहा कि वह उनके मित्र हैं। दरअसल, दिग्विजय सिंह ने कहा था कि हमारी पार्टी का इतिहास 140 साल पुराना है। हम इससे काफी कुछ सीख सकते हैं। मैं भी चाहता हूं कि संगठन मजबूत होना चाहिए। अनुशासन बहुत जरूरी है। यह सोचने का विषय है। हमारे संगठन में अनुसान होना चाहिए। सिंह के इस बयान पर बवाल मच गया था।

दिग्विजय सिंह की X पोस्ट वायरल

इस बयान पर अभी चर्चा चल रही थी कि दिग्विजय सिंह ने कि उन्होंने फिर से RSS-BJP की तारीफ करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर भी साझा की, जिसमें वो लाल कृष्ण आडवाणी के पास जमीन पर बैठे हैं। कांग्रेस के ही कई नेताओं ने दिग्विजय सिंह की इस पोस्ट की आलोचना की है। इसके बाद कांग्रेस के अंदार घमासान शुरू हो गया था। दिग्विजय सिंह की यह पोस्ट वायरल हो चुकी है। इस पोस्ट ने कांग्रेस को मुश्किल में डाला दिया है, हालांकि इस पूरे मामले के तूल पकड़ने के बाद दिग्विजय सिंह ने खुद को आरएसएस और मोदी का विरोधी करार दिया है, लेकिन बीजेपी ने भी इस मुद्दे को लपक लिया है। यह मुद्दा महाराष्ट्र पहुंच गया है।

संघ पर फट पड़े संजय राउत

अब कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के RSS की संगठनात्मक ताकत की तारीफ करने पर शिवसेना (UBT) नेता संजय राउत ने कहा ने प्रतिक्रिया साझा की है। उन्होंने कहा कि सच तो यह है कि RSS ने देश की आजादी की लड़ाई में कभी हिस्सा नहीं लिया। संघ ने 50 सालों तक अपने दफ्तरों पर राष्ट्रीय तिरंगा झंडा कभी नहीं फहराया या दिखाया। आरएसएस देश में धार्मिक तनाव पैदा करने में सबसे आगे है। मैंने देखा है कि दिग्विजय सिंह जी ने संसद में संघ पर बहुत जोरदार हमला किया था। तो अचानक ऐसा क्या हो गया? वह मेरे दोस्त हैं, और मैं उनसे समझूंगा कि उनकी राय में यह बदलाव कैसे आया।

कांग्रेस ने मुंबई में खोज लिया नया साथी, प्रकाश अंबेडकर की VBA के साथ आगे बढ़ेगी चुनावी गाड़ी! ऐलान जल्द

● NEWS AGENCY

मुंबई: देश की सबसे अमीर महानगरपालिका बीएमसी के चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। नामांकन में अब सिर्फ दो बाकी रह गए हैं। 29 और 30 दिसंबर को ही नामांकन दाखिल किए जा सकेंगे। इस सब के बीच एक बड़ा अपडेट सामने आया है। इसमें कहा जा रहा है कि मुंबई में मनसे के कारण उद्धव ठाकरे से दूर हुई कांग्रेस चुनावी मैदान में प्रकाश अंबेडकर की अगुवाई वाली वंचित बहुजन आघाड़ी (VBA) को साथ ले सकती है। कांग्रेस और वीबीए का अलायंस हो सकता है। सूत्र दावा कर रहे हैं कि कांग्रेस और वीबीए का गठबंधन बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन समेत 29 म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के लिए भी होगा। विधानसभा चुनावों में कांग्रेस प्रकाश अंबेडकर को साथ नहीं ले पाई थी। महानगरपालिका चुनावों के लिए 15 जनवरी को वोट डाले जाएंगे।

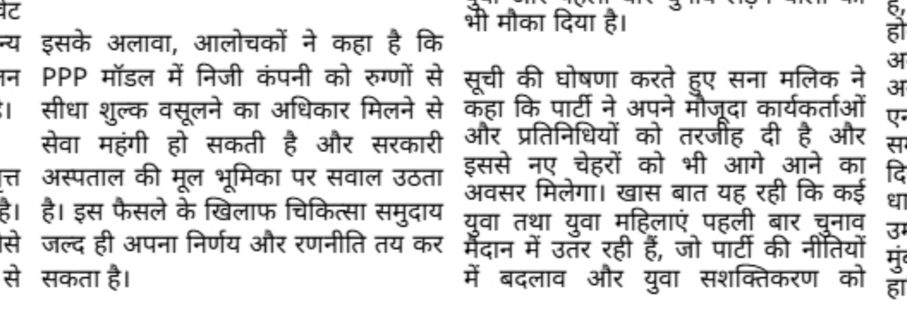

पहली बार कांग्रेस-VBA गठबंधन!

2024 के लोकसभा और असेंबली चुनावों के दौरान अलायंस की बातचीत फेल होने के बाद, यह पहली बार होगा जब कांग्रेस वीबीए के साथ हाथ मिलाएगी। सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस-VBA अलायंस का अनाउंसमेंट आज हो सकता है। बीएमसी चुनावों के साथ-साथ 28 दूसरे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में महाराष्ट्र की अलायंस पॉलिटिक्स में बदलाव देखने को मिल रहा है, जिसमें महा विकास अघाड़ी (MVA) की पार्टियां अलग-अलग रास्ते अपना रही हैं। ठाकरे भाई, जो सालों से अलग-थलग थे, 15 जनवरी को होने वाले BMC चुनावों से पहले अलायंस करने के लिए एक साथ आए हैं तो वहीं दूसरी तरफ महायुति से अजित पवार की नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (NCP) बाहर हो गई है। वह अकेले लड़ रही है।

बीजेपी-शिवसेना की डील डन

मुंबई में बीजेपी और शिवसेना के बीत बात बन गई है। 227 में 207 सीटों पर तय हो चुका है कि कौन पार्टी का कैंडिडेट किस सीट से लड़ेगा। मुंबई बीजेपी प्रेसिडेंट अमित साटम ने शनिवार को कहा कि महायुति 207 सीटों पर सीट-शेयरिंग पर सहमत हो गई है, जिसमें BJP 128 सीटों पर और शिवसेना 79 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। साटम ने कहा कि बाकी 20 सीटों पर फैसला कैंडिडेट के आधार पर होगा। महाराष्ट्र में स्टेट इलेक्शन कमीशन ने राज्य भर में 29 म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के चुनावों की घोषणा की है, जिसमें बृहन्मुंबई म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (BMC), पुणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (PMC) और पिंपरी-चिंचवड़ म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (PCMC) शामिल हैं। वोटिंग 15 जनवरी को होगी। काउंटिंग 16 जनवरी को होगी।

नांदेड़ वॉक्स

नांदेड़ जिला > नांदेड़ शहर

नंदिग्राम टाईम्स

Monday 29th December 2025 वर्ष - 9 , अंक 243 , पृष्ठ 04

नांदेड: अवैध गोवंश तस्करी में 10 गोवंश व वाहन-मुद्देमाल ₹17.30 लाख जप्त

नांदेड : नांदेड ग्रामीण पुलिस ने अवैध गोवंश तस्करी के एक बड़े मामले में शुक्रवार रात महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए दस गोवंश, एक ट्रक और अन्य सामान सहित कुल लगभग ₹17.30 लाख का मुद्देमाल जप्त किया है। यह कार्रवाई ओपरेशन फ्लैश आउट के तहत की गई, जिसे जिल्हा पोलिस अधीक्षक अबिनाश कुमार ने राज्य भर में लागू किया है।

पुलिस टीम ने विष्णुपुरी कॅनल के पास गश्त के दौरान MH-26 BE 4946 नंबर के ट्रक को रोका, जिसमें गोवंश को निर्दयी तरीके से खूंबकर और बांधकर ले जाया जा रहा था। निरीक्षण में ट्रक से दस गोवंश और वाहन-सामान मिला, जिसकी कीमत लगभग ₹17.30 लाख आंकी गई है।

इस घटना के संबंध में जबीउल्लाखान जहीरउल्लाखान, मोहंमद गौस, शेख कलीम और शेख उमर कुरैशी सहित चार नामज़द आरोपियों के खिलाफ ग्रामीण पुलिस थाना में मामला दर्ज कर छानबीन शुरू की गई है। अवैध गोवंश तस्करी रोकने और कानून का पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस की यह कार्रवाई क्षेत्र में अन्य संभावित गिरोहों को भी बैकफुट पर लाने का प्रयास मानी जा रही है।

नांदेड महापालिका चुनाव नेताओं की प्रतिष्ठा का सवाल, उम्मीदवारों की अंतिम सूची पर मंथन तेज

नांदेड | आगामी 15 जनवरी को होने वाले नांदेड-वाघाला शहर महानगरपालिका के आम चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। 20 प्रभागों से 81 नगरसेवकों के चुनाव के लिए सभी प्रमुख दलों ने रणनीति बनानी शुरू कर दी है। यह चुनाव जिले के तीन सांसदों और चार विधायकों के लिए प्रतिष्ठा का विषय बन गया है।

भाजपा की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री सांसद अशोकराव चव्हाण और सांसद डॉ. अजित गोपछड़े चुनावी रणनीति की कमान संभाले हुए हैं। पार्टी का लक्ष्य महापालिका में बहुमत हासिल करना है, जिसके लिए जीत की क्षमता रखने वाले उम्मीदवारों को टिकट देने पर जोर दिया जा रहा है।

पुराने और नए कार्यकर्ताओं के संतुलन के साथ उम्मीदवार चयन को अंतिम रूप देने की कोशिश चल रही है। लगातार बैठकों का दौर जारी है।

वहीं शिवसेना के विधायक बालाजीराव कल्याणकर, आनंदा बोंढारकर और विधान परिषद सदस्य हेमंत पाटील भी अपने-अपने स्तर पर पार्टी को मजबूत करने में जुटे हैं। बताया जा रहा है कि सीटों के बंटवारे को लेकर शिवसेना में मतभेद उभरकर सामने आए हैं। उत्तर और दक्षिण नांदेड में शिवसेना की रणनीति अलग-अलग दिखाई दे रही है, जिससे गठबंधन की तस्वीर अभी स्पष्ट नहीं है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के एकमात्र विधायक प्रतापराव पाटील चिखलीकर ने भी किसी भी तरह की संभावित युति को ध्यान में रखे बिना तैयारी शुरू कर दी है। दलित और मुस्लिम बहुल प्रभागों में अधिक उम्मीदवार उतारने की रणनीति पर काम किया जा रहा है।

कांग्रेस की ओर से सांसद प्रो. रविंद्र चव्हाण ने सभी प्रभागों में उम्मीदवार उतारने का निर्णय लिया है। नवा मोंढा स्थित पार्टी कार्यालय में लगातार बैठकों के माध्यम से संगठन को सक्रिय किया जा रहा है।

कुल मिलाकर नांदेड महानगरपालिका का यह चुनाव सिर्फ स्थानीय सत्ता का नहीं, बल्कि जिले के प्रमुख नेताओं की राजनीतिक प्रतिष्ठा का भी बड़ा इम्तिहान साबित होने जा रहा है।

चंद्रपूर किडनी रैकेट: किसान की किडनी 12 घंटे में ट्रांसप्लांट,SIT ने खोली खलनायक कड़ी

चंद्रपूर: विशेष जांच टीम (SIT) ने महाराष्ट्र के चंद्रपूर किडनी रैकेट मामले में चौंकाने वाला खुलासा किया है कि किसान रोशन कुले की **किडनी निकाले जाने के महज 12 घंटे के भीतर इसे कंबोडिया में चीनी मरीज को प्रत्यारोपित किया गया। यह जानकारी दो मुख्य आरोपियों के बयान से मिली है, जिनमें सोलापुर का रामकृष्ण सुंचू (उर्फ 'डॉ. कृष्णा'/मल्लेश) और चंदीगढ़ का हिमांशू भारद्वाज शामिल हैं। थाना नागभीड़ के मिंथूर गांव निवासी कुले को कर्ज के दबाव में यह कदम उठाना पड़ा, जिससे यह संगठित अवैध नेटवर्क उजागर हुआ।

जांच में यह भी सामने आया कि चाइनीज़ सर्जन डॉ. चियांग कंबोडिया में प्रत्यारोपण प्रक्रियाओं का संचालन करते थे और प्राप्त किडनियों को चीन के रोगियों को उपलब्ध कराते थे। एसआईटी अब इस अंतरराष्ट्रीय रैकेट के वित्तीय और तस्करी झांकियों की जांच कर रही है, जबकि एक तीसरा मुख्य आरोपी अब भी फरार है।

ZP NANDED | जिला परिषद की जर्जर स्कूल इमारतों को अवमूल्यन

जिला परिषद की जर्जर स्कूल इमारतों को अवमूल्यन (निर्लेखन) करने के निर्देश

नांदेड | जिला परिषद के अधीन संचालित जर्जर एवं खतरे की स्थिति में पहुंच चुकी स्कूल इमारतों व कक्षाओं को अवमूल्यन (निर्लेखन) करने के स्पष्ट निर्देश जारी किए गए हैं। इस संबंध में संबंधित विभागों को विस्तृत मार्गदर्शक प्रक्रिया का पालन करने के आदेश दिए गए हैं।

निर्देशों के अनुसार, जिला परिषद के अंतर्गत जिन स्कूल इमारतों अथवा कक्षा कक्षों की स्थिति अत्यंत जर्जर हो चुकी है, उनका प्रस्ताव संबंधित पंचायत समिति के गट विकास अधिकारी (बीडीओ) द्वारा तैयार किया जाएगा। इस प्रस्ताव के अंतर्गत बीडीओ एवं उप-अभियंता (निर्माण) द्वारा संयुक्त रूप से भवन की संरचनात्मक जांच (स्ट्रक्चरल ऑडिट) कर रिपोर्ट तैयार की जाएगी। यह रिपोर्ट प्रस्ताव के साथ शिक्षणाधिकारी (प्राथमिक) को प्रस्तुत की जाएगी।

सके पश्चात शिक्षणाधिकारी द्वारा कार्यकारी अभियंता की राय प्राप्त कर उक्त प्रस्ताव को अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी के समक्ष मंजूरी हेतु प्रस्तुत किया जाएगा। प्रस्ताव में संबंधित भवन के निर्माण वर्ष, भवन स्थित भूमि का स्वामित्व विवरण, किस योजना के अंतर्गत निर्माण हुआ, कुल क्षेत्रफल, निर्माण लागत, वर्तमान स्थिति का विवरण, जर्जर भवन का घसारा मूल्य, मूल्यांकन तथा भवन ध्वस्त करने की आवश्यकता का स्पष्ट उल्लेख अनिवार्य रहेगा।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी द्वारा प्रस्ताव को स्वीकृति दिए जाने के बाद तथा जिला परिषद की सर्वसाधारण समिति एवं जिला परिषद अध्यक्ष की अंतिम मंजूरी प्राप्त होने पर संबंधित भवन का रिकॉर्ड निर्धारित रजिस्टर में दर्ज करने की जिम्मेदारी उप-अभियंता (निर्माण) पर रहेगी।

इसके अतिरिक्त, उप-अभियंता द्वारा ही नीलामी (लिलाव) पद्धति के माध्यम से जर्जर इमारत को ध्वस्त करने की पूरी प्रक्रिया पूर्ण की जाएगी। इस निर्णय से विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ भविष्य में नए भवन निर्माण का मार्ग प्रशस्त होने की उम्मीद जताई जा रही है।

नांदेड मनपा की, लापरवाही से सिडको क्षेत्र की सड़कें और नालियां बदहाल

मनपा की लापरवाही से सिडको क्षेत्र की सड़कें और नालियां बदहाल पूर्व नगरसेवकों ने गंभीर समस्याओं से साधी दूरी

● नांदेड (संवाददाता): नांदेड महानगरपालिका के सबसे बड़े प्रभाग सिडको–हडको को जोड़ने वाली मुख्य सड़क की हालत बेहद जर्जर हो चुकी है। सड़क के साथ-साथ क्षेत्र की नालियां भी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई हैं। पूर्व में निर्वाचित नगरसेवकों की अनदेखी और मनपा प्रशासन की उदासीनता के कारण नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वाहन चालकों को इस मार्ग से गुजरते समय जान जोखिम में डालनी पड़ रही है।

सिडको से श्मशानभूमि मार्ग होते हुए हडको जाने वाला यह रास्ता क्षेत्र का प्रमुख और निकटतम मार्ग है। इसी कारण इस सड़क पर प्रतिदिन भारी यातायात रहता है। सिडको कार्यालय के अस्तित्व के दौरान इस सड़क का निर्माण किया गया था, लेकिन बाद में महानगरपालिका की लचर कार्यप्रणाली के चलते यह मार्ग वर्षों से खस्ताहाल पड़ा हुआ है।

विशेष रूप से दलित वस्ती सुधार योजना के अंतर्गत गोविंद कॉलोनी क्षेत्र में सड़क निर्माण के बाद बार-बार खुदाई किए जाने से सड़क की स्थिति और अधिक खराब हो गई। मरम्मत के नाम पर केवल खानापूर्ति की गई, जिससे समस्या जस की तस बनी हुई है।

क्षेत्र से सिडको–हडको के पांच नगरसेवक चुने जाते हैं, लेकिन वर्ष 2017 के नगर निगम चुनाव में दिए गए वादों को आज तक पूरा नहीं किया गया। नतीजतन सड़कें और नालियां पूरी तरह जर्जर हो गई हैं। अब आगामी चुनावों को देखते हुए इच्छुक उम्मीदवारों द्वारा एक बार फिर आश्वासनों की झड़ी लगाई जा रही है, लेकिन नागरिकों में इन वादों को लेकर भारी संदेह बना हुआ है।

स्थानीय नागरिकों की मांग है कि चुनावी घोषणाओं से आगे बढ़कर प्रशासन और जनप्रतिनिधि स्थायी समाधान पर ध्यान दें, ताकि सिडको क्षेत्र को इस बदहाली से मुक्ति मिल सके।

नांदेड: नवनिर्वाचित नगराध्यक्ष शरद पवार ने जताया चिखलीकर परिवार के प्रति आजीवन समर्थन

नांदेड : लोहा नगरपरिषद के नवनिर्वाचित नगराध्यक्ष शरद नामदेवराव पवार ने शनिवार को चिखलीकर परिवार के प्रति अपनी दीर्घकालिक निष्ठा का भाव व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने सियासी सफर में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं, लेकिन अब वह आयुष भर आमदार प्रतापराव पाटील चिखलीकर एवं उनके परिवार के साथ खड़े रहेंगे। यह बयान उन्होंने वसंतनगर स्थित चिखलीकर परिवार के सत्कार समारोह में दिया।

कार्यक्रम में प्रतिभाताई पाटील चिखलीकर, प्रदेश सरचिटणीस प्रविण पाटील चिखलीकर, सचिन पाटील चिखलीकर सहित क्षेत्रीय NCP कार्यकर्ता और स्थानीय नेता मौजूद थे। शरद पवार ने कहा कि नगराध्यक्ष बनने का पूरा श्रेय चिखलीकर परिवार को जाता है, इसलिए वह उन्हें कभी नहीं छोड़ेंगे।

समारोह में कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिन्होंने पवार की भावनात्मक प्रतिबद्धता का स्वागत किया। राजनीति में पारिवारिक व संगठनात्मक समर्थन के महत्व को उजागर करते हुए नवनिर्वाचित नगराध्यक्ष ने स्थानीय नेताओं और जनता के बीच एकता का संदेश भी दिया।

इस विकास से यह स्पष्ट होता है कि स्थानीय राजनीतिक समीकरणों में परिवार-आधारित समर्थन और गठबंधन की भूमिका आज भी निर्णायक बनी हुई है। आगामी निकाय चुनावों को देखते हुए इस तरह के समर्थन को राजनीतिक मजबूती का संकेत भी माना जा रहा है।

नांदेड मनपा चुनाव: एमआईएम ने 5 प्रभागों से 20 उम्मीदवार उतारकर बढ़ाई सियासी सरगर्मी

नांदेड: आगामी महानगरपालिका चुनाव की रणधुमाल में नांदेड का राजनीतिक वातावरण इन दिनों खासा गर्म हो गया है। जहां शहर के प्रमुख राजनीतिक दल अभी भी गठबंधन, आघाड़ी और सीटों के बंटवारे के जटिल समीकरणों में उलझे नजर आ रहे हैं, वहीं ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एमआईएम) ने समय से पहले अपने पत्ते खोलते हुए चुनावी मैदान में बढ़त बना ली है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी के निर्देशानुसार एमआईएम ने नांदेड महानगरपालिका के 5 महत्वपूर्ण प्रभागों से 20 उम्मीदवारों की घोषणा कर सभी राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के सामने एक बड़ी चुनौती पेश की है।

एमआईएम द्वारा की गई यह घोषणा ऐसे समय पर सामने आई है, जब अन्य दलों में उम्मीदवारों को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। पार्टी ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह इस बार चुनाव को गंभीर रणनीति और संगठित तैयारी के साथ लड़ने के मूड में है।

कठोर मुलाखत प्रक्रिया से गुजरना पड़ा नेताओं को

कांग्रेस से एमआईएम में शामिल हुए मसूद खान, शमीम अब्दुल्ला, चांद पाशा और लतीफ पठाण जैसे अनुभवी नेताओं का नाम इस सूची में शामिल है। इन नेताओं ने पूर्व में कई बार महापालिका चुनाव जीतकर अपने-अपने प्रभागों में मजबूत पकड़ बनाई है। इसके बावजूद एमआईएम ने टिकट देते समय केवल उनके पुराने राजनीतिक अनुभव पर भरोसा नहीं किया। पार्टी ने सभी संभावित उम्मीदवारों को कठोर साक्षात्कार और आंतरिक मूल्यांकन प्रक्रिया से गुजरने के बाद ही मैदान में उतारा है।

सूत्रों के अनुसार, इस प्रक्रिया में उम्मीदवारों की वर्तमान जनसंपर्क क्षमता, क्षेत्रीय प्रभाव और संगठनात्मक सक्रियता की गहन पड़ताल की गई। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि केवल पुराने रिकॉर्ड के आधार पर नहीं, बल्कि मौजूदा जनसमर्थन के आधार पर ही चुनावी टिकट दिया जाना चाहिए।

रणनीतिक बढ़त, परिणाम पर टिकी नजर

प्रमुख दलों में अभी भी उम्मीदवारों की घोषणा और गठबंधन को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। ऐसे में एमआईएम द्वारा समय रहते 20 उम्मीदवारों की घोषणा को राजनीतिक रणनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि अन्य दल इस चुनौती का किस प्रकार जवाब देते हैं और एमआईएम की यह रणनीति मतदान के दिन कितनी प्रभावी साबित होती है।

एमआईएम के घोषित 20 उम्मीदवार

प्रभाग 05: प्रज्ञा सूर्यवंशी, शिफा मुस्कान शेख, हाजरा बेगम, मुफ्ती अशर अली खान
प्रभाग 11: मोहम्मद मसूद अहमद खान, आसिया बेगम बागवान, सैयद फसिउद्दीन, सायमा खान
प्रभाग 12: अब्दुल रशीद, बेबी शाइस्ता, कमर सुलताना बी, मोहम्मद अल्ताफ हुसैन
प्रभाग 13: अब्दुल लतीफ, अश्विनी धोंगडे, सैयद मुजीब, मरियम सानिया
प्रभाग 14: रेहाना बेगम, शमीम बेगम बागवान, शमी अब्दुल्ला, स्वाती हसेकर

स्वाधिकारी नंदिग्राम टाईम्स (नांदेड़) के मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक शेख जहूर शेख अहेमद द्वारा सहारा डिजाइनिंग एंड ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, वाजेगांव, ता. व जि. नांदेड़ में मुद्रित तथा दैनिक नंदिग्राम टाईम्स, मुल्लाह मार्केट, खवी बिल्डिंग, नगरेश्वर मंदिर, नांदेड़–431604 (महाराष्ट्र) के कार्यालय से प्रकाशित। RNI-MAHHIN/2016/69743 मोबाइल संपर्क: 9921100075 | Email: ntinfodesk@gmail.com (वाद-विवाद हेतु न्यायक्षेत्र: नांदेड़ न्याय कक्षा में।)